

ikyd

fdLea

csuthz tk; .V स्वस्थ, लम्बे फूले हुए पत्ते तथा आम पालक से दुगुने बड़े, उर्वरा मिट्टी की आवश्यकता, औसत उपज 150–190 किंवटल प्रति हैक्टेयर (12–15 किंवटल प्रति बीघा), पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त किस्म।

ykk LVf. Max पत्ते गहरे हरे रंग के, तिकोनों वाले, मोटे, लम्बे तथा धीरे-धीरे फैलने वाले तथा अधिक फसलदायक, औसत उपज 100–125 किंवटल प्रति हैक्टेयर (8–10 किंवटल प्रति बीघा), शुष्क एवं शीत तथा ऊँचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त किस्म।

othfu; k l oks नर्म बीज वाली, पौधे सीधे स्वस्थ, गहरे हरे रंग के, आगे से पत्ते गोलाई वाले कुछ मुड़े तथा मोटे, औसत उपज 100–125 किंवटल प्रति हैक्टेयर (8–10 किंवटल प्रति बीघा), मध्य तथा ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त किस्म।

i k gfjr मध्यम लम्बे पौधे, चौड़े, गहरे हरे तथा थोड़े मुड़े पत्ते, 40–50 दिन बाद कटाई के लिए तैयार, औसत पैदावार 250–280 किंवटल/हैक्टेयर (20–25 किंवटल/बीघा), बसन्त तथा गर्मियों के मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त किस्म।

cpkbl dk l e;	निचले पर्वतीय क्षेत्र	जुलाई–नवम्बर
		फरवरी–मार्च
	मध्य पर्वतीय क्षेत्र	जुलाई–सितम्बर
	ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र	मार्च–जून, सितम्बर

cht dh ek=k 25–30 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर  
(2–2.5 कि.ग्रा. प्रति बीघा)

vllrj 30x5–10 सै.मी.

[kkn , oa mo] d

	i fr gDV\$ j	i fr ch?kk
गोबर की खाद	100 किंवटल	8 किंवटल
कैन	300 कि.ग्रा.	24 कि.ग्रा.
सुपर फॉस्फेट	315 कि.ग्रा.	25 कि.ग्रा.
म्यूरेंट ऑफ पोटाश	50 कि.ग्रा.	4 कि.ग्रा.

गोबर की खाद, सुपर फॉस्फेट तथा म्यूरेंट ऑफ पोटाश की पूर्ण मात्रा और कैन की आधी मात्रा बुआई करते समय डालें और शेष कैन का आधा भाग उसके एक मास बाद डालें।

cht k i knu

बीजोत्पादन के लिए फसल सामान्य फसल की ही तरह लगाई जाती है तथा खाद व उर्वरकों की मात्रा बुआई के समय ही दी जाती है। पृथकीकरण के लिए एक किलोमीटर का अन्तर रखें। अग्रेजी पालक लॉग स्टैण्डिंग तथा वर्जीनिया सेवाये में चार प्रकार के पौधे पाये जाते हैं नर, वानस्पतिक नर, द्विलिंगी तथा मादा, जिनमें से केवल मादा तथा द्विलिंगी पौधे पर ही बीज लगते हैं। नर पौधे कमजोर होते हैं उन्हें उखाड़ कर फेंक देना चाहिए।

rMkbZ vkj xgkbZ

बीज लगभग एक ही समय पर पक जाता है। अतः इसका खेत में बिखरने का कम डर रहता है। बीज के साथ पूरे पौधे को सुखाकर उसकी गहाई की जाती है।

cht i kflr% 600 से 800 कि.ग्रा./ हैक्टेयर (48—64 कि.ग्रा./ बीघा)